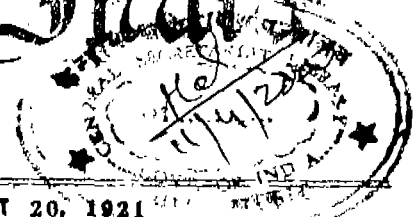




# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 50] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 11, 1999/अग्रहायण 20, 1921  
No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 11, 1999/AGRAHAYANA 20, 1921

इस भाग में मिल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I) PART II—Section 3—Sub-section (I)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के अंतर्गत बनाए गए और जारी किए गए साधारण सांविधिक नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-निषेध आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (Including Orders, Bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

### PRIME MINISTER'S OFFICE CORRIGENDUM

New Delhi, the 26th November, 1999

G.S.R. 393.—In the English version of Notification of the Government of India, Prime Minister's Office No. G.S.R. 158 dated 18th May, 1999 published in Part II, Section 3, Sub-section (I) of the Gazette of India dated 29th May, 1999 the following corrections are made :—

- (i) In page 981 in the entries pertaining to Staff Car Driver (Grade I) in column twelve:
  - (a) in line two for '6 years' read 'fifteen years';
  - (b) in line five for 'passes' read 'possesses'.
- (ii) In page No. 982 in the entries pertaining to Staff Car Driver (Grade II) in column twelve:
  - (a) in line four for 'possess' read 'passes';

- (b) in the Note in line three after the word 'to' add the word 'them' and in line four of the Note delete the word 'then'.
- (iii) In page 983 in the entries pertaining to Staff Car Driver (Ordinary Grade) in column eight:
  - (a) in Note in the line three for 'competent' read 'competent'.
- (iv) In page 984 in the entries pertaining to Despatch Rider:
  - (a) in column four for 'Rs. 3050-75-3950-90-4590' read 'Rs. 3050-75-3950-80-4590'.
  - (b) in column eight in sub-para (iv) in line one for 'tr' read 'to'.
  - (c) in column eight in Note 1 in the line five for 'who' read 'well'.

[F. No. A-12011/10/98-PMA]  
P. K. ROY, Under Secy.

विधि, नियम और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1999

सा. का. नि. 394.—राष्ट्रपति, संविधान के अनु-  
च्छेद 299 के खंड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए, भारत सरकार के तत्कालीन विधि मंत्रालय  
(विधि कार्य विभाग) की अधिसूचना सं. सा. का.  
नि. 585 तारीख 1 फरवरी, 1966 में और संशोधन  
करने के लिए निर्देश देते हैं, अर्थात्:—

उक्त अधिनियम में, “रक्षा मंत्रालय के मामले में”  
शीर्षक के अधीन सा. का. नि. सं. 240 तारीख 19  
जुलाई, 1999 द्वारा इस प्रकार रखे गए “म. रक्षा  
मंत्रालय, रक्षा उत्पादन और प्रदाय विभाग के अधीन निर्देशक,  
रक्षा-प्रदर्शनी संगठन द्वारा डिफेक्सपो इंडिया '99 के  
कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ  
(कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज) के साथ अवसोधन  
शापन” मंत्र और प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित  
मंत्र और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात्:—

“म. रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन और प्रदाय  
विभाग के अधीन निर्देशक, रक्षा प्रदर्शनी संगठन  
द्वारा डिफेक्सपो इंडिया '99 के कार्यक्रम की  
व्यवस्थाओं के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (कन्फेड-  
रेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज) के साथ करार” ।

[फा. सं. 17 (1)/99-नियम]

आर. एस. भाल्ला, अपर विधिक सलाहकार

पाद टिप्पण:—मूल अधिसूचना, अधिसूचना सं. सा. का.  
नि. 585 द्वारा तारीख 1-2-1966 को  
प्रकाशित की गई थी और तत्पश्चात्  
उसका समय-समय पर निम्नलिखित संशोधन  
दिया गया:—

1. सा. का. नि. सं. 168 तारीख 05-03-90
2. सा. का. नि. सं. 541 तारीख 19-07-90
3. सा. का. नि. सं. 542 तारीख 19-07-90
4. सा. का. नि. सं. 711 तारीख 14-11-90
5. सा. का. नि. सं. 713 तारीख 15-11-90
6. सा. का. नि. सं. 570 तारीख 27-08-91
7. सा. का. नि. सं. 333 तारीख 09-07-92
8. सा. का. नि. सं. 497 तारीख 16-10-92
9. सा. का. नि. सं. 540 तारीख 14-10-93
10. सा. का. नि. सं. 601 तारीख 16-11-93
11. सा. का. नि. सं. 2062 तारीख 31-08-94
12. सा. का. नि. सं. तारीख 25-11-94
13. सा. का. नि. सं. 36 तारीख 06-01-95
14. सा. का. नि. सं. 285 तारीख 28-06-95

15. सा. का. नि. सं. 456 तारीख 27-09-96

16. सा. का. नि. सं. तारीख 05-08-97

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND  
COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 18th November, 1999

G.S.R. 394.—In exercise of the powers con-  
ferred by clause (1) of article 299 of the Constitu-  
tion, the President hereby directs that the following  
further amendments shall be made in the notification  
of the Government of India, in the then Ministry of  
Law (Department of Legal Affairs) number G.S.R.  
585 dated the 1st February, 1966, namely:—

In the said notification, in Part-III, under the  
heading “in the case of the Ministry of  
Defence”, for the item and entries “X. The  
Memorandum of Understanding with Con-  
federation of Indian Industries for working  
arrangements for DEFEXPO INDIA '99  
by the Director, Defence Exhibition Orga-  
nisation under the Ministry of Defence,  
Department of Defence Production and  
Supplies”, as inserted vide number G.S.R.  
240 dated the 19th July, 1999, the follow-  
ing item and entries shall be substituted,  
namely:—

“Y. The Agreement with Confederation of  
Indian Industries for working arrange-  
ments for DEFEXPO INDIA '99 by the  
Director, Defence Exhibition Organi-  
sation under the Ministry of Defence,  
Department of Defence Production and  
Supplies.”.

[F. No. 17(1)/99-Judl.]

R. S. BHALLA, Addl. Legal Adviser

Foot Note:—The Principal notification was published  
on 1-2-66 vide notification No. G.S.R.  
585 and subsequently amended vide:—

1. GSR No. 168 dt. 5-3-90.
2. GSR No. 541 dt. 19-7-90.
3. GSR No. 542 dt. 19-7-90.
4. GSR No. 711 dt. 14-11-90.
5. GSR No. 713 dt. 15-11-90.
6. GSR No. 570 dt. 27-8-91.
7. GSR No. 333 dt. 9-7-92.
8. GSR No. 497 dt. 16-10-92.
9. GSR No. 540 dt. 14-10-93.
10. GSR No. 601 dt. 16-11-93.
11. GSR No. 2062 dt. 31-8-94.
12. GSR No. dt. 25-11-94.
13. GSR No. 36 dt. 6-1-95.
14. GSR No. 285 dt. 28-6-95.
15. GSR No. 456 dt. 27-9-96.
16. GSR No. dt. 5-8-97.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1999

सा. का. नि. 395.—केन्द्रीय सरकार, सीमा सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 (1968 का 47) की धारा 141 की उपधारा (2) के खंड (ख) और खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सीमा सुरक्षा बल [एयर विंग अराजपत्रित (योधक) समूह "ग" पद] भर्ती नियम, 1997 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सीमा सुरक्षा बल [एयर विंग अराजपत्रित (योधक) समूह "ग" पद] भर्ती संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सीमा सुरक्षा बल [एयर विंग अराजपत्रित (योधक) समूह "ग" पद] भर्ती नियम, 1997 में नियम 4 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

"4क. प्रारंभिक गठन — सीमा सुरक्षा बल [एयर विंग अराजपत्रित (योधक) समूह "ग" पद] भर्ती नियम, 1997 के प्रारंभ की तारीख से पूर्व सीमा सुरक्षा बल एयर विंग में समूह ग अराजपत्रित (योधक) पद धारण करने वाले अधिकारी इन नियमों के उपबंधों के अनुसार नियुक्त किए गए समझे जाएंगे"।

[फा. सं. 17/35/99-पर्स/सीमुब]

ए. भट्टाचार्य, अवर सचिव (पर्स-III)

टिप्पण :—मूल नियम भारत के राजपत्र में सा. का. नि. संख्यांक 419 तारीख 15 दिसम्बर, 1997 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

स्पष्टीकारक शीपन

सीमा सुरक्षा बल [एयर विंग अराजपत्रित (योधक) समूह "ग" पद] भर्ती नियम, 1997 के संशोधन का स्पष्टीकारक शीपन :—

सीमा सुरक्षा बल [एयर विंग अराजपत्रित (योधक) समूह "ग" पद] भर्ती नियम, 1997 के राजपत्र में 27 दिसंबर 1997 को प्रकाशित किए गए थे। तथापि "प्रारंभिक गठन खंड उसी अधिसूचना में सम्मिलित नहीं किया गया था। अधीनस्थ विधायन से संबंधित समिति (बारहवीं लोकसभा) की सिफारिशों को प्रभावी बनाने की दृष्टि से ऐसे कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा के लिए जो सीमा सुरक्षा बल [एयर विंग अराजपत्रित (योधक) समूह "ग" पद] भर्ती नियम, 1997 के प्रकाशन से पूर्व सेवा में थे उपयुक्त संशोधन करके वह खंड अंतःस्थापित करना आवश्यक है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि सीमा सुरक्षा बल में इन पदों के किसी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा जब भर्ती नियमों का 27 दिसम्बर, 1997 से प्रवृत्त प्रभाव दिया जाता है।

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 26th November, 1999

G.S.R. 395.—In exercise of the powers conferred by clause (b) and (c) of sub-section (2) of Section 141 of the Border Security Force Act, 1968 (47 of 1968), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Border Security Force [Air Wing Non-Gazetted (Combatised) Group 'C' posts] Recruitment Rules, 1997, namely :—

1. (1) These rules may be called the Border Security Force [Air Wing Non-Gazetted (Combatised) Group 'C' posts] Recruitment (Amendment) Rules, 1999.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Border Security Force [Air Wing Non-Gazetted (Combatised) Group 'C' posts] Recruitment Rules, 1997, after rule 4, the following rule shall be inserted, namely :—

"4A. Initial Constitution—The officers holding Group 'C' Non-Gazetted (Combatised) posts in the Border Security Force, Air Wing before the date of commencement of the Border Security Force [Air Wing, Non-Gazetted (Combatised) Group 'C' posts] Recruitment Rules, 1997 shall be deemed to have been appointed in accordance with the provisions of these rules".

[F. No. 17/35/99-Pers|BSF]

A. BHATTACHARYA, Under Secy. (Pers-III)

Note :—The principle rules were published in the Gazette of India vide GSR number 419, dated, the 15th December, 1997.

## EXPLANATORY MEMORANDUM

EXPLANATORY MEMORANDUM TO THE AMENDMENT OF BORDER SECURITY FORCE [AIR WING NON-GAZETTED (COMBATISED) GROUP 'C' POSTS] RECRUITMENT RULES, 1997

The Border Security Force [Air Wing Non-Gazetted (Combatised) Group 'C' posts] Recruitment Rules, 1997 was published in the Official Gazette on 27-12-97. However, the "Initial Constitution" clause was not incorporated in the same notification. In order to give effect to the recommendations of the committee on Subordinate Legislation (12th Lok Sabha), it is necessary to insert that clause by making suitable amendment to safeguard the interests of such employees who were in service prior to the publication of the Border Security Force [Air Wing Non-Gazetted (Combatised) Group 'C' posts] Recruitment Rules, 1997.

2. It is certified that there will be no adverse effect on any employee of the Border Security Force in these posts when retrospective effect to the Recruitment Rules are given with effect from 27-12-97.

कार्मिक, लोक-शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय  
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1999

सां. का. नि. 396.—केन्द्र सरकार भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग) नियमावली 1954 के नियम 4 के उपविधम (2) के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्य प्रदेश सरकार के परामर्श से एतद्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग संख्या का नियतन) विनियम, 1955 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग संख्या का नियतन) विनियम, 1999 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग संख्या का नियतन) विनियम, 1955 की अनुसूची में शीर्षक "मध्य प्रदेश" के नीचे,

मद संख्या 1 के नीचे वाली प्रविष्टि अर्थात्:—

"कलेक्टर 45",

के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात्:—

"कलेक्टर 52"

तथा निम्नलिखित प्रविष्टि अर्थात्:—

"अवर कलेक्टर 16"

के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात्:—

"अवर कलेक्टर 9"

[सं. 11031/5/97-अ. भा. से. (II)-क]

मनीषा भटनागर, डैस्क अधिकारी

टिप्पण 1. इस अधिसूचना के जारी होने से पहले मध्य प्रदेश (भा. प्र. से.) संवर्ग की कुल संख्या 396 थी।

टिप्पण 2. मुख्य नियम दिनांक 22 अक्टूबर, 1955 के एस. आर. ओ. संख्या 3350 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे। जिन्हें बाद में मध्य प्रदेश के संघ में निम्नलिखित तारीखों की सां. का. नि. संख्या द्वारा संशोधित किया गया था:—

क्रम सं.	सा. का. नि.	दिनांक
1.	777	27-7-74
2.	848 ई	15-10-76
3.	119 ई	23-2-77
4.	43	14-11-78
5.	292 ई	15-4-81
6.	898 ई	20-12-83
7.	684 ई	14-12-87
8.	190	26-3-88
9.	491	22-7-89
10.	204	7-4-90
11.	198	9-5-92
12.	19	9-1-93
13.	319 ई	31-3-95
14.	34	27-1-96
15.	739 ई	31-12-97
16.	75	4-4-98

## MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 30th November, 1999

G.S.R. 396.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951) read with sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954 the Central Government in consultation with the Government of Madhya Pradesh hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre strength) Regulations, 1955 namely:—

1. (1) These regulations shall be called the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Amendment Regulations, 1999.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, under the heading "Madhya Pradesh"

Under Item No. 1, for the following entry, namely:—

"Collector

45",

the following shall be substituted, namely:—

“Collector 52”

and for the following entry namely:—

“Additional Collector 16”

the following shall be substituted namely

“Additional Collector 9”

[No. 11031/5/97-AIS(II)—A]

MANISHA BHATNAGAR, Desk Officer

Note 1 : Prior to the issue of this Notification, the total authorised strength of the Madhya Pradesh (IAS) Cadre was 396.

Note (2): The Principal Regulations were published in the Gazette of India Vide SRO No. 3350 dated the 22nd October, 1955. There were subsequently amended in respect of the Madhya Pradesh Cadre vide the following GSR Numbers and dates :

S. No.	GSR Nos.	Date	S.No.	GSR Nos.	Date
1.	777	27.7.74	9.	491	22.7.89
2.	848E	15-10-76	10.	204	7.4.90
3.	119E	23.2.77	11.	198	9.5.92
4.	43	14.11.78	12.	19	9.1.93
5.	292E	15.4.81	13.	319E	31.3.95
6.	898E	20.12.83	14.	34	27.1.96
7.	684E	14.12.87	15.	739E	31.12.97
8.	190	26.3.88	16.	75	4.4.98

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

(वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 4 अक्तूबर, 1999

सा. का. नि. 397.—बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को शोध्य ऋणों की बसूली अधिनियम, 1993 (1993 का 51) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, नीचे दी गई सारणी के कालम (2) में वर्णित स्थान पर इस सारणी के कालम (3) में तदनु रूप प्रविष्टि में 4 अक्तूबर, 1999 (पूर्वाह्न) से, निर्दिष्ट क्षेत्रों के अंतर्गत क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने के लिए ऋण बसूली अधिकरण स्थापित करती है।

सारणी

क्रम सं.	स्थान, जहाँ पर अधिकरण स्थापित किया गया है	क्षेत्राधिकार
1	2	3
1.	नेदुनगडी बैंक, स्टाफ प्रशिक्षण संस्थान मार्केट रोड, एर्नाकुलम	केरल राज्य और लक्षद्वीप

[फा. सं. 30/1/99-डीआरटी]

अनूप मिश्र, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Economic Affairs)  
(Banking Division)

New Delhi, the 4th October, 1999

G.S.R. 397.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Recovery of Debts Due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 (51 of 1993) the Central Government hereby establishes the Debts Recovery Tribunal at the place mentioned in column (2) of the Table, below to exercise jurisdiction within the area specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table w.e.f. the 4th October, 1999 (F.N.)

TABLE

Serial Number	Place at which Tribunal is established	Area of Jurisdiction
(1)	(2)	(3)
1.	Nedungadi Bank Staff Training Institute Market Road, ERNAKULAM	State of Kerla and Lakshadweep

[F. No. 30/1/99—DRT]

ANOOP ISHRA, Jt. Secy.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1999

नियमावली

सा. का. नि. 398.—माननीय केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण, मद्रास न्यायोपेठ द्वारा 11 अगस्त, 1997 को ओ. ए. सं. 297/97 में पारित आदेश के अनुसार, भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा में केवल अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति पदों को भरने के लिए एक विशेष सीमित प्रतियोगिता परीक्षा संबलोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाएगी। सन् 2000 ई. में होने वाली उपर्युक्त परीक्षा के लिए नियमावली सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित की जाती है।

इस परीक्षा के परिणाम के आशर पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति द्वारा भरे जाने वाले पदों की संख्या का निर्धारण दिनांक 11 अगस्त, 1997 के माननीय केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के आदेश में बिना विवेचन

के अनुसार इस विभाग द्वारा किया जाएगा। यह संस्था आयोग द्वारा जारी परीक्षा के नोटिस में विनिर्दिष्ट की जाएगी।

2. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित रीति से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

3. भारत सरकार के निम्नलिखित संघीय लेखा विभागों में कार्य कर रहे केवल अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के अधिकारी परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

- (i) भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
- (ii) लेखा महा-नियंत्रक
- (iii) रक्षा लेखा विभाग
- (iv) रेल मंत्रालय, लेखा विभाग
- (v) संचार मंत्रालय, डाक विभाग
- (vi) संचार मंत्रालय, दूर-संचार विभाग
- (vii) लेखा निदेशालय, मंत्रिमंडल सचिवालय

4. पात्रता की शर्तें :-

इस परीक्षा हेतु उम्मीदवार को 1 जनवरी, 1995 को निम्नलिखित पात्रता शर्तें पूरी करनी चाहिए :-

- (i) वेतन तथा सेवा की अवधि :- उम्मीदवार को ₹ 2000-3200 या इससे अधिक के वेतनमान का पर धारक होना चाहिए तथा अधीनस्थ लेखा सेवा या अनुभाग अधिकारी ग्रेड परीक्षा या संबंधित विभाग द्वारा आयोजित इसके समकक्ष परीक्षा पास करने के पश्चात् कम से कम 5 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर लेनी चाहिए।
- (ii) आयु सीमा :- उम्मीदवार को 1 जनवरी, 1995 को 50 वर्ष की आयु का नहीं होना चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1945 से पहले का न हो।
- (iii) शैक्षिक योग्यता :- उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की, या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की डिग्री अथवा उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

टिप्पणी 1 :- विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है। जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी भी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली है जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके

आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी 2 :- जिन उम्मीदवारों के पास ऐसी व्यवसायिक और तकनीकी अर्हताएं हैं, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्रीयों के समकक्ष मान्यताप्राप्त हैं वे भी उक्त परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

5. उम्मीदवार के आवेदन-पत्र को स्वीकार करने तथा उनके परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

6. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक बैठने नहीं दिया जाएगा जब तक उनके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

7. जो उम्मीदवार निम्नलिखित कड़ाचार का दोषी है या आयोग द्वारा घोषित किया गया है :-

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना, या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना, या
- (v) अशुद्ध या असत्य बक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाना, या
- (vi) उक्त परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में कोई अनियमित या अनुचित साधन अपनाना, या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना, या
- (viii) उत्तर पुस्तिका (ओं) पर असंगत बातें, जिसमें अश्लील भाषा या अभद्र बातें शामिल हैं, लिखना, या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करना, या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करना या उन्हें शारीरिक क्षति पहुंचाना, या
- (xi) उम्मीदवार को परीक्षा देने की अनुमति के प्रवेश परमिट-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन करना, या
- (xii) ऊपर खंडों में विनिर्दिष्ट सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयत्न करना या करने के लिए किसी को उकसाना, जैसा भी मामला हो तो

उस पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और साथ ही :—

- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा उसे अयोग्य ठहराया जा सकता है, और/या
- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए,
- (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है ; और
- (ग) उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा, किन्तु शर्त यह है कि नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक,
- (i) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित आयावेदन, जो वह देना चाहे उन्हें प्रस्तुत करने का अवसर उसको न दिया गया हो, और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत आयावेदन यदि कोई हो, पर विचार न कर लिया गया हो ।

8. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने विवेकानुसार निश्चित करेगा, उन्हें आयोग द्वारा व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा ।

9. साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त किए गए कुल अंकों के आधार पर योग्यता-क्रम में उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम में जितने उम्मीदवार परीक्षा में आयोग द्वारा योग्य पाए जाएंगे अपेक्षित संख्या तक उनकी नियुक्ति के लिए अनुशंसा की जाएगी ।

नोट :—उम्मीदवार यह अच्छी तरह से जान लें कि यह एक प्रतियोगी परीक्षा है न कि अर्हक परीक्षा/परीक्षा के परिणामों के आधार पर भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा में नियुक्त किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या के बारे में निर्णय लेना पूरी तरह से सरकार पर निर्भर करता है । अतः कोई भी उम्मीदवार इस परीक्षा में अपने निष्पादन के आधार पर भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा में नियुक्ति हेतु अधिकार के रूप में कोई दावा नहीं कर सकता है ।

10. वे पद जिन्हें भरे जाने का निर्णय लिया गया है उन पर उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए उनके योग्यता-क्रम तथा इन रिक्तियों के लिए उनकी पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा ।

नोट 1 :—भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग के अलावा अन्य संगठित लेखा विभागों के अर्हता प्राप्त अधिकारियों को, विशेष सीमित प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर

चयनित होने पर, उनके मूल विभाग से स्थानांतरण आधार पर नियुक्त किया जाएगा ।

नोट 2 :—इस परीक्षा के आधार पर नियुक्त व्यक्तियों को रैंक सिविल लेखा परीक्षा, 1994 द्वारा भर्ती सबसे कनिष्ठ अधिकारी से भी कनिष्ठतम होगी ।

नोट 3 :—उम्मीदवारों की वरिष्ठता निर्धारित करने समय उनके द्वारा पहले की गई सेवा का कोई लाभ नहीं दिया जाएगा ।

11. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा तथा आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पताचार नहीं करेगा ।

12. परीक्षा में सफल हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार सेवा में आचरण की दृष्टि से नियुक्ति के लिए हर प्रकार से पात्र तथा योग्य है :

बशर्ते कि आयोग द्वारा नियुक्ति हेतु अनुशंसित किसी भी उम्मीदवार की चयन की अयोग्यता के मामले में निर्णय आयोग के परामर्श से लिया जाएगा ।

13. परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन करने के बाद या इसमें बैठने के बाद यदि कोई उम्मीदवार अपनी नियुक्ति से त्याग-पत्र देता है अथवा सेवा छोड़ देता है अथवा इसने अपना संबंध विच्छेद कर लेता है अथवा जिसकी सेवाएं उसके विभाग द्वारा समाप्त की जाती हैं अथवा जो किसी संवर्ग बाह्य पद पर या "स्थानांतरण" पर अन्य सेवा में नियुक्त हुआ है तथा जिसका मूल विभाग में पुनर्ग्रहणाधिकार (लियन) नहीं है, वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा ।

तथापि यह उस व्यक्ति पर लागू नहीं होता जिसे सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया गया है ।

14. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसा कोई शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक न निभा सके । यदि सरकार या नियुक्ता प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता तो नियुक्ति नहीं की जाएगी । केवल ऐसे उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जाएगी जिन पर नियुक्ति हेतु विचार किए जाने की संभावना है ।

15. सेवा के संक्षिप्त विवरण के लिए कृपया इन नियमों का परिशिष्ट-II देखिए ।

[सं. ए-12018/5/93-ई.जी. खंड-II]

बी. कुमार, उप सचिव

## परिशिष्ट-I

## खंड-I

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी:—

(1) भाग-I में दर्शाए गए अनुसार लिखित परीक्षा अधिकतम 1050 अंकों की होगी, तथा

(2) लिखित परीक्षा के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण भाग-II में दर्शाए गए अनुसार अधिकतम 150 अंकों का होगा।

## भाग-I

लिखित परीक्षा :—

1. निम्नलिखित विषयों के 4 प्रश्न-पत्र होंगे।

	अधिकतम अंकों	अवधि
(1) सामान्य अध्ययन	300	(3 घंटे)
(2) सामान्य अंग्रेजी/हिन्दी	150	(2 घंटे)
(3) सेवा नियम	300	(3 घंटे)
(4) वित्तीय प्रबंध तथा सरकारी लेखा परीक्षण	300	(3 घंटे)

पाठ्य चर्चा विवरण खंड-II में दिया गया है।

2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्र परंपरागत (निबंध) प्रकार के होंगे।

3. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी अथवा हिन्दी (देवनागरी) माध्यम से देने की छूट है। भाषा के प्रश्न-पत्रों को छोड़कर सभी प्रश्न-पत्र हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होंगे।

नोट 1 :—ऊपर दर्शाए गए सभी चार प्रश्न-पत्रों के लिए दिया गया विकल्प एक ही होगा तथा अलग-अलग प्रश्न-पत्रों या एक ही प्रश्न-पत्र के अलग-अलग प्रश्नों के लिए कोई अलग विकल्प मान्य नहीं होगा।

नोट 2 :—प्रश्न-पत्रों का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में देने के इच्छुक उम्मीदवारों को आवेदन पत्र में अपने इस इच्छा को स्पष्ट कर देना चाहिए अथवा यह समझ लिया जाएगा कि वे सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी माध्यम से ही देंगे। एक बार दिए गए विकल्प को अंतिम माना जाएगा तथा इस संबंध (कालम) में किसी प्रकार के परिवर्तन के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट 3 :—हिन्दी (देवनागरी) में प्रश्न-पत्रों का उत्तर देने वाले उम्मीदवार यदि चाहें तो, तकनीकी शब्दों का विवरण यदि कोई हो, के हिन्दी रूपान्तर के साथ कोष्ठक में उनका अंग्रेजी रूपान्तर भी दे सकते हैं।

नोट 4 :—यदि उम्मीदवार प्रश्न-पत्रों के उत्तर आवेदन पत्र में दर्शाए गए माध्यम में न देकर किसी अन्य माध्यम से देता है तो ऐसे उम्मीदवार के प्रश्न-पत्र (प्रश्न-पत्रों) का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

4. उम्मीदवारों को परीक्षा में अपने हाथ से लिखना होगा उन्हें किसी भी दशा में उत्तर लिखवाने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता नहीं लेने दी जाएगी।

5. आयोग परीक्षा के किसी भी विषय के प्रश्न-पत्र अथवा सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में ग्रैंड अंक निर्धारित करने का निर्णय कर सकता है।

6. सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

7. लिखित परीक्षा में मुश्किल से पढ़ पाने वाली लिखावट के लिए अधिकतम अंकों के 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जाएंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में सुव्यवस्थित प्रभावी तथा सटीक अभिव्यक्ति सहित शब्दों की अनेकित मितव्ययता के लिए श्रेय दिया जाएगा।

9. प्रश्न-पत्रों में जहां कहीं आवश्यक हो माप तथा तोल की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्न ही पूछे जाएंगे।

10. उम्मीदवारों को प्रश्नों के उत्तर देते समय केवल भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (उदाहरण के लिए 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) ही प्रयोग करना चाहिए।

## भाग—2

व्यक्तित्व परीक्षण : उम्मीदवारों का साक्षात्कार एक बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार द्वारा उसके आवेदन पत्र में दिए गए अनुसार उसका जीवनवृत्त होगा। उम्मीदवारों से उसके अपने कैरियर तथा कार्य-कलाप और सामान्य रुचि से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। साक्षात्कार का उद्देश्य सक्षम तथा निष्पक्ष प्रेषकों के बोर्ड द्वारा इस सेवा के लिए उम्मीदवार की वैयक्तिक उपयुक्तता का आकलन करना है। बोर्ड द्वारा आंके गए गुणों को न केवल बौद्धिक गुणों को बल्कि उसके व्यक्तित्व की सामाजिक और नैतिक विशेषताओं को भी मोटे तौर पर उम्मीदवार की मानसिक योग्यता के रूप में मूल्यांकित किया जा सकता है। आंके गए गुणों में से कुछ गुण, मानसिक सतर्कता, संयोजन करने की महत्वपूर्ण शक्ति, स्पष्ट तथा तार्किक धारणा, संतुलित निर्णय, भिन्न-भिन्न विषयों में रुचि, सामाजिक सामंजस्य के लिए योग्यता तथा नेतृत्व, विद्वता तथा नैतिकता के प्रति निष्ठा है।

2. साक्षात्कार का तरीका केवल कड़ी जिरह करने का नहीं है बल्कि स्वाभाविक, किन्तु निर्देशित तथा उद्देश्यपूर्ण विचार-विमर्श है जिसका उद्देश्य उम्मीदवार की मानसिक योग्यता को दर्शाना है।

3. उम्मीदवार से केवल उनके शैक्षिक अध्ययन अथवा व्यवसाय से संबंधित विशेष विषयों में ही विलक्षण रुचि



रखने की अपेक्षा नहीं की जाती है अपितु उनके चारों तरफ उनके अपने राज्य, देश अथवा दोनों में या इससे बाहर हो रही घटनाओं के साथ-साथ आधुनिक विचारधारा तथा नए-नए अन्वेषण, जिन्हें एक सुशिक्षित व्यक्ति की उत्सुकता को बढ़ाना चाहिए, की जानकारी रखने की भी अपेक्षा की जाती है।

### खण्ड—II

#### परीक्षा की पाठ्यचर्चा

प्रश्न-पत्र-I सामान्य अध्ययन—300 अंक :

प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित पहलू सम्मिलित होंगे :—  
भारत का आधुनिक इतिहास तथा भारतीय संस्कृति।

कृषि, औद्योगिक विकास, ग्रामीण विकास, भारतीय व्यापार तथा वाणिज्य आदि के संदर्भ में भारतीय अर्थ-व्यवस्था की प्रमुख विशेषताएं तथा विश्व अर्थव्यवस्था से उसके संबंध।

भारत का भूगोल :

भारत के विकास में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी की भूमिका एवं प्रभाव।

साहित्य की भाकड़ों का प्रारम्भिक विश्लेषण। सारणियों, भारेखों आदि का आकलन तथा भाकड़ों का आरेखीय प्रस्तुतीकरण।

राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व की वर्तमान घटनाएं :

सरकार तथा लोक प्रशासन का स्वरूप, केन्द्र-राज्य संबंध, समकालीन इतिहास तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध, सांस्कृतिक तथा सामाजिक विकास और भारत का संविधान जिसमें वित्तीय उपबंध तथा नए संशोधन और विधि निर्माण शामिल हैं।

प्रश्न-पत्र II सामान्य अंग्रेजी, हिन्दी — 150 अंक :

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवारों की बोधशक्ति, भावनात्मक क्षमता, विश्लेषण क्षमता, अभिव्यक्ति का परीक्षण करना होगा तथा इसमें टिप्पण, प्रारूपण तथा संक्षेपण से संबंधित प्रश्न भी हो सकते हैं।

प्रश्न-पत्र III सेवा नियमावली — 300 अंक :

इस प्रश्न-पत्र में शामिल होंगे :—

- (1) केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अधीन) नियमावली, 1965
- (2) केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली, 1964
- (3) भारत सरकार की सामान्य वित्तीय नियमावली, 1963
- (4) भारत सरकार की मौलिक नियमावली तथा अनुपूरक नियमावली

(5) केन्द्रीय सिविल सेवा (शुद्धी) नियमावली, 1972

(6) केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972

प्रश्न-पत्र IV वित्तीय प्रबंध तथा सरकारी लेखा परीक्षा — 300 अंक :

इस प्रश्न-पत्र में वित्तीय विवरण का विश्लेषण, लागत लाभ विश्लेषण, निवेश मूल्यांकन तथा पूंजी की लागत, जोखिम विश्लेषण, बजट नियंत्रण, पट्टा विज्ञ, सामग्री प्रबंध तकनीक, प्राप्त योग्य नकद लेखों का प्रबंध तथा कार्यपूँजी पर मुद्रास्फीति का प्रभाव, लेखा मानक तथा संविदा कानून के सिद्धान्त संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम तथा आयकर अधिनियम सहित वित्तीय प्रबंध के सिद्धान्त, साधन तथा पद्धतियां शामिल हैं।

सरकारी लेखा परीक्षा सिद्धान्त तथा भारत संघ सरकार तथा राज्यों में लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रणाली का गठन। भारत में सरकारी लेखा परीक्षा को नियंत्रित करने वाले संवैधानिक तथा सांविधिक उपबंध आंतरिक लेखा परीक्षा तथा निजी क्षेत्र में लेखा परीक्षा से अलग सरकारी लेखा-परीक्षा।

खर्च का लेखा परीक्षण, प्राप्तियों का लेखा परीक्षण, सरकारी कम्पनियों तथा निगमों का लेखा परीक्षण, अन्य सरकारी प्राधिकरणों तथा निकायों का लेखा परीक्षण, वित्तीय लेखा परीक्षण, नियमितता लेखा परीक्षण तथा धन लेखा परीक्षण मूल्य, सार्वजनिक लेखा समिति तथा सार्वजनिक उपक्रमों से संबंधित समितियां (प्रश्न-पत्र में व्यावहारिक प्रश्न भी शामिल किए जा सकते हैं)।

### परिशिष्ट—II

सेवा संबंधी संक्षिप्त विवरण :—

(क) नियुक्ति भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा के कनिष्ठ बेतनमान में दो वर्ष के लिए परि-वीक्षाधीन आधार पर की जाएगी किन्तु यदि परि-वीक्षाधीन अधिकारी सेवापुष्टि के लिए निर्धारित विभागीय परीक्षा में अर्हता प्राप्त नहीं करता है तो यह अवधि बढ़ाई जा सकती है। दो वर्ष की अवधि के दौरान सेवापुष्टि हेतु विभागीय परीक्षा में निरंतर असफल रहने पर उम्मीदवार को पदच्युत कर दिया जाएगा अथवा उसके संबंध में लागू होने वाले नियमों के अंतर्गत इस सेवा में नियुक्ति के तत्काल पूर्व-धारित स्थाई पद, जिस पर उसका पुनर्ग्रहण कार्य है, पर प्रत्यावर्तित कर दिया जाएगा।

(ख) यदि भारत सरकार अथवा भारत के लेखा परीक्षा महानियंत्रक के विचार में परि-वीक्षाधीन अवधि के दौरान नियुक्त किए गए अधिकारी का कार्य अथवा आचरण असंतोषजनक है या ऐसा लगता है कि

वह अपने कार्य में कुशल नहीं हो सकता है तो सरकार उसे आगे के लिए सेवा से मुक्त कर सकती है अथवा उसके मामले में लागू नियमों के अनुसार इस सेवा में नियुक्ति से तत्कालपूर्व धारित स्थाई पद, जिस पर उसका पुनर्ग्रहण अधिकार है, जैसी भी स्थिति हो, पर प्रत्यावर्तित कर सकती है।

(ग) परीक्षा अवधि पूरी करने पर भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक नियुक्त किए गए अधिकारी की सेवा की पूर्ति कर सकते हैं, यदि सरकार अथवा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के विचार में संबंधित अधिकारी का कार्य अथवा आचरण संतोषजनक नहीं पाया जाता है तो स्थिति के अनुसार सरकार या तो उन्हें सेवा से मुक्त कर सकती है अथवा भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक अपने विवेकानुसार अधिकारी की परीक्षाधीन अवधि को आगामी अवधि अथवा अवधियों के लिए आगे बढ़ा सकते हैं अथवा इस सेवा में उसकी नियुक्ति से पूर्व लागू नियमों के अंतर्गत उस स्थाई पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है जिस पर उसका पुनर्ग्रहण अधिकार है।

(घ) लेखा तथा अन्य गुधारों से लेखा परीक्षा से अलग होने की संभावना को ध्यान में रखते हुए भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा के संविधान में कुछ आंतरिक परिवर्तन हो सकते हैं। तथा इस सेवा के लिए ब्यक्त कोई भी उम्मीदवार इस प्रकार के किसी परिवर्तन के परिणामस्वरूप होने वाली किसी क्षतिपूर्ति का दावा नहीं कर सकेगा। और उसे केन्द्रीय तथा राज्य सरकार के अंतर्गत अगले लेखा कार्यालयों में अथवा नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक के अधीन अथवा सांख्यिक लेखा परीक्षा कार्यालयों में कार्य करने तथा केन्द्रीय अथवा राज्य सरकारों के अधीन बनने वाले अलग लेखा कार्यालयों में कार्य करना पड़ेगा और यदि सेवा के लिए यह अन्याय आवश्यक हो जाता है तो उन्हें इन्हीं कार्यालयों में इसी संवर्ग के पदों पर अंतिम रूप से विलयित होना पड़ेगा।

(ङ) वेतनमान :—

1. कनिष्ठ समय वेतनमान—8000-275-13,500
2. वरिष्ठ समय वेतनमान—10,000-325-15,200
3. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड —12,000-375-16,500
4. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में चयन ग्रेड —  
14,300-400-18,300
5. वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड — 18,400-500-22,400
6. प्रधान महालेखाकार/महानिदेशक लेखा-परीक्षा —  
22,400-525-24,500

7. अपर उप नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक —  
24,050-650-26,000

8. उप नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक — 26,000

नोट 1 :—विशेष सीमित प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर अनुमोदित अधिकारियों का प्रारम्भिक वेतन, वेतन निर्धारण के सामान्य नियमों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा।

नोट 2 :—उम्मीदवारों की वरिष्ठता निर्धारित करते समय उनके द्वारा की गई पहेली सेवा का कोई लाभ नहीं दिया जाएगा।

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 30th November, 1999

### RULES

G.S.R. 398.—Pursuant to the orders passed by the Hon'ble Central Administrative Tribunal, Madras Bench on 11th August, 1997 in O.A. No. 297/97, a Special Limited Competitive Examination exclusively for filling up SC/ST posts in the Indian Audit and Accounts Service will be held by the Union Public Service Commission. The rules for the said examination to be held in the year 2000 are published for general information.

1. The number of posts to be filled by SCs/STs on the result of this examination shall be determined by this Department as per the directions given by the Hon'ble Central Administrative Tribunal in their order dated 11th August, 1997. This number will be specified in the Notice for the examination issued by the Commission.

2. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix-I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held, shall be fixed by the Commission.

3. Only Scheduled Castes/Scheduled Tribes Officers working in the following organised Accounting Departments of the Government of India shall be eligible to appear at the examination :—

- (i) Indian Audit & Accounts Department.
- (ii) Controller General of Accounts.
- (iii) Defence Accounts Department.
- (iv) Ministry of Railways, Accounts Department.
- (v) Ministry of Communications, Department of Posts.
- (vi) Ministry of Communications, Department of Telecommunications.
- (vii) Directorate of Accounts, Cabinet Secretariat.

4. Conditions of Eligibility.—A candidate for this examination should satisfy the following eligibility conditions on 1st January, 1995 :

(i) Scale of Pay and Length of Service.—The candidates should be holding post in the scale of pay of Rs. 2000—3200 or above and should have rendered not less than 5 years' regular service after qualifying in the subordinate Accounts Service or Section Officers' Grade examination or an equivalent examination conducted by the concerned Department.

(ii) Age-limit.—The candidates must not have attained the age of 50 years as on 1st January, 1995, i.e.

he must have been born not earlier than 2nd January, 1945.

- (iii) Educational Qualification.—The candidate must hold a degree of any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

NOTE 1.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the foregoing qualification as qualified provided that he has passed examination conducted by other Institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 2.—Candidates possessing profession and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degree would also be eligible for admission to the examination.

5. The decision of the Commission with regard to the acceptance of the application of a candidate and his eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

6. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the scripts; or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their admission certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

(i) by the Commission from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government, from any employment under them; and

(c) to disciplinary action under appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

- (ii) taking the representation, if any, submitted by candidate, with in the period allowed to him, into consideration.

8. Candidate who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

9. After the interview, candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the required number.

NOTE.—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be appointed to the I.A. & A.S. on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will therefore, have any claim for appointment to I.A. & A.S. on the basis of performance in this examination, as a matter of right.

10. Candidates will be considered in order of merit for appointment to the vacancies that are decided to be filled and for which they may be eligible.

NOTE 1.—The officers qualifying from the organised Accounts Departments other than the Indian Audit and Accounts Department, will, on selection on the basis of Special Limited Competitive Examination, be appointed on transfer from the parent Department.

NOTE 2.—Persons recruited on the basis of this examination shall rank en-block junior to the junior-most officer recruited through Civil Services Examination, 1999 and senior to all the promotee officers assigned to that year.

NOTE 3.—No weightage will be given to the past service rendered by the candidates while fixing their seniority.

11. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

12. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his conduct in service, is eligible and suitable in all respects for appointment.

Provided that the decision as to eligibility for selection in the case of any candidate recommended for appointment by the Commission shall be taken in consultation with the Commission.

13. A candidate who after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment or otherwise quits the service or severs his connection with it or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another service on 'transfer' and does not have a lien in the parent Department will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a person who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

14. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority as the case may be, may prescribe, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

15. For brief particulars of service, please see Appendix II to these Rules.

[No. A-12018/5/93-EG. Vol. III]

B. KUMAR. Dy. Secy

## APPENDIX I

## SECTION I

The examination will be conducted according to the following plan :

- (1) Written examination as mentioned in Part I, carrying a maximum of 1050 marks, and
- (2) Personality test, as mentioned in Part II, carrying a maximum of 150 marks of those candidates who qualify on the basis of the written examination.

## PART I

## Written examination

1. There will be four papers on the following subjects.—

	Maximum marks	Duration
(i) General Studies	300	(3 hours)
(ii) General English/Hindi	150	(2 hours)
(iii) Service Rules	300	(3 hours)
(iv) Financial Management and Government Auditing	300	(3 hours)

The details of syllabi are set out in Section II.

2. The question papers in all the subjects will be of conventional (essay) type.

3. Candidates are allowed the option to answer the papers either in English medium or in Hindi (Devanagari) medium. The question papers other than language papers will be set both in Hindi and English.

NOTE 1. The option will be same for all the four papers mentioned above and not for different papers or different questions in the same paper.

NOTE 2.—Candidates desirous of exercising the option to answer the papers in Hindi (Devanagari) should indicate their intention to do so in the Application Form. Otherwise it would be assumed that they would answer all the papers in English. The option once exercised shall be treated as final and no request for any alteration in the said Column shall be entertained.

NOTE 3.—Candidates exercising the option to answer the papers in Hindi (Devanagari) may, if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the Hindi version.

NOTE 4.—If a medium other than the one indicated by the candidate in the application form is used in the examination, the paper(s) of such candidates will not be valued.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write answers for them.

5. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction upto 5 per cent of the maximum marks in written subjects will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

9. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

10. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

## PART II

Personality test:—The candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of the career as indicated in his application. He will be asked questions with reference to his own activities and career and on matters of general interest. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for the service by a Board of competent and unbiased observers, the qualities to be judged may be broadly summed up as an assessment of the mental calibre of the candidate, including not only intellectual qualities but also social and moral traits of personality. Some of the qualities to be judged are mental alertness, critical powers of assimilation, clear and logical exposition, balance of judgement, variety and depth of interest, ability for social cohesion and leadership, intellectual and moral integrity.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross examination but of a natural though directed and purposive conversation which is intended to reveal the mental qualities of the candidate.

3. Candidates are expected to have taken an intelligent interest not only in their special subjects of academic study or of their profession but also in the events which are happening around them both within and outside their own state or country, as well as in modern currents of thought, and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated citizens.

## SECTION II

## SYLLABI OF THE EXAMINATION

## PAPER I—GENERAL STUDIES—300 MARKS

The paper will cover:

Modern History of India and Indian culture. Salient features of Indian Economy with reference to agriculture, industrial development, rural development, Indian trade and commerce etc. and its inter-relationship with world economy.

Geography of India.

Role and impact of science and technology in India's development.

Elementary analysis of statistical data, interpretation of tables, graphs etc. and graphical representation of data. Current events of national and international importance:

Forms of governments and public administration, Centre-State relations, Contemporary history and international relations, cultural and social developments and Constitution of India including financial provisions and recent amendments and legislations.

**PAPER II—General English/Hindi—150 marks.**

This paper will be designed to test the candidate's power of comprehension assimilation, analysis, expression and may include questions on noting drafting and precis.

**PAPER III—Service Rules—300 marks.**

This paper will, cover :

- (i) Central Civil Services (Classification Control and Appeal), Rules, 1965.
- (ii) Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964.
- (iii) General Financial Rules of Govt. of India, 1963.
- (iv) Fundamental Rules and Supplementary Rules of Government of India.
- (v) Central Civil Services (Leave) Rules, 1972.
- (vi) Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.

**PAPER IV—Financial Management & Govt. Auditing—300 marks**

This paper will cover principles, tools and methods of financial management including analysis of financial statements cost benefit analysis investment appraisal and cost of capital, risk analysis, budget control, lease financing, material management techniques, management of cash accounts receivable and effects of inflation on working capital, Accounting standards and principles of Contract Law, Transfer of Property Act, and Income Tax Act.

Principles of Government Auditing and Organisation of Accounting and Auditing systems in the Governments of Union of India and the States. Constitutional and Statutory provisions governing Government Audit in India, Government Audit distinguished from Internal Audit and audit in the private sector.

Audit of expenditure; Audit of receipts; Audit of Government Companies and Corporations; Audit of other Government authorities and bodies; Financial audit, regularity audit and Value for Money Audit; Public Accounts committee and Committee on Public Undertakings (Paper may include practical questions also).

## APPENDIX II

Brief particulars relating to the Service :

- (a) Appointment will be made to the Junior Time Scale of the Indian Audit and Accounts Service on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examination. Repeated failure to pass the departmental examination within a period of two years will involve loss of appointment or, as the case may be, reversion to the permanent

post on which he holds a lien under the rules applicable to him prior to his appointment to the service.

- (b) If in the opinion of Government, or the Comptroller and Auditor General of India as the case may be, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith, or as the case may be, revert him to the permanent post on which he holds a lien under the rules applicable to him prior to his appointment to the Service.
- (c) On the conclusion of his period of probation the Comptroller and Auditor General of India may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General, as the case may be, been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period or periods as Comptroller & Auditor General may think fit or revert him to the permanent post on which he holds a lien under the rules applicable to him prior to his appointment to the Service.
- (d) In view of the possibility of the separation of Audit from Accounts and other reforms, the constitution of the Indian Audit and Accounts Service is liable to undergo changes, and any candidate selected for the Service will have no claim for compensation in consequence of any such changes, and will be liable to serve either in the separated Accounts Offices under the Central or State Governments or in the Statutory Audit Offices under the Comptroller and Auditor General and to be absorbed finally if the exigencies of service require it in the cadre on which posts in the separated Accounts Offices under the Central or State Governments may be borne.
- (e) Scales of pay :—
  1. Junior Time Scale—Rs. 8000-275-13,500.
  2. Senior Time Scale—Rs. 10,000-325-15,200.
  3. Junior Administrative Grade—Rs. 12,000-375-16,500.
  4. Selection Grade in Junior Administrative Grade—Rs. 14,300-400-18,300.
  5. Senior Administrative Grade—Rs. 18,400-500-22,400.
  6. Principal Accountant General/Director General of Audit—Rs. 22,400-525-24,500.
  7. Additional Deputy Comptroller and Auditor General Rs. 24,050-650-26,000.

8. Deputy Comptroller and Auditor General—  
Rs. 26,000 (fixed).

Note 1: The initial pay of the Officers approved on the results of the Special Limited Competitive Examination will be regulated under the normal rules of pay fixation.

Note 2: No weightage of their past service will be given to the candidates while fixing their seniority.

आर्थिक कार्य विभाग

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1999

सा. का. नि. 399.—बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को शोध्य ऋणों की वसूली अधिनियम, 1993 (1993 का 51) की धारा 9 के साथ पठित धारा 8 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, न्यायभूति एम. बी. विश्वनाथ, न्यायाधीश (सेवानिवृत्त), कर्नाटक उच्च न्यायालय, बेंगलूर को ऋण वसूली अपीलीय अधिकरण, चेन्नई के पीठासीन अधिकारी के रूप में उनके कार्यालय में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए अथवा 65 वर्ष की आयु होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नियुक्त करती है।

[एफ. सं. 6/3/99-डी प्रार टी]

अनूप मिश्र, संयुक्त सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 3rd December, 1999

G.S.R. 399.—In pursuance of the powers conferred by Sub-section 1 of Section 8 read with Section 9 of the Recovery of Debts due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 (51 of 1993), the Central Govt. hereby appoints Justice M.B. Vishwanath, Judge (Retired), High Court of Karnataka, Bangalore as Presiding Officer, Debts Recovery Appellate Tribunal, Chennai for a period of five years from the date on which he enters upon his office or till he attains the age of 65 years, whichever event occurs earlier.

[F. No. 6/3/99-DRT]

ANOOP MISHRA, Jt. Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक

(विदेशी मुद्रा नियंत्रण विभाग)

मुंबई, 27 सितंबर, 1999

सं. फेरा 210/99 प्रार बी

सा. का. नि. 400.—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 13 की उपधारा (2) के अनुसरण में तथा दिनांक 9 अगस्त 1989 की अपनी अधिसूचना सं. फेरा 80/89 प्रार बी में आशिक संशोधन करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक एतद्द्वारा निदेश देता है कि उक्त अधिसूचना में तत्काल

प्रभाव से निम्नानुसार संशोधन किया जायेगा, यथा; उक्त अधिसूचना में वर्तमान खण्ड (iv) को निम्नलिखित खण्ड से प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(iv) भारत में किसी व्यक्ति को जोकि वहां का निवासी नहीं है विदेशी मुद्रा की उसनी राशि जोकि उसके द्वारा विदेशी मुद्रा में लायी गई राशि से अधिक न हो, भारत के बाहर ले जाने की अनुमति प्रदान करना; बशर्ते कि

(क) इसके लिए अपने भारत में आने पर सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास रिजर्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट फार्म में एक घोषणा पत्र ले जायी जाने वाली विदेशी मुद्रा की राशि ले जाने के लिए प्रस्तुत किया हो

अथवा

(ख) विदेशी मुद्रा में बाहर ले जायी जानेवाली राशि रिजर्व बैंक द्वारा समय समय पर विनिर्दिष्ट उस राशि से कम है जिसके लिए सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास एक घोषणापत्र प्रस्तुत करना होता है।

[सं. एफ. 1/12/ई सी/93]

खिज़र अहमद, कार्यपालक निदेशक

RESERVE BANK OF INDIA

(Exchange Control Department)

Mumbai, the 27th September, 1999

No. FERA-210/99-RB

G.S.R. 400.—In pursuance of sub-section (2) of Section 13 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) and in partial modification of its Notification No. FERA 80/89-RB dated 9th August 1989, the Reserve Bank of India hereby directs that the said Notification shall be amended with immediate effect, in the following manner, namely;

In the said Notification, the existing clause (iv) shall be substituted by the following clause—

“(iv) to permit any person in India but not resident therein to take out of India an amount of foreign exchange not exceeding the amount brought in by him in foreign exchange; provided that—

(a) he had made, on arrival in India, a declaration to customs authorities in such form as specified by the Reserve Bank in this behalf, of the amount of foreign exchange sought to be taken,

or

(b) the amount sought to be taken out in foreign exchange is less than the amount specified by the Reserve Bank from time to time, for which a declaration is required to be made to customs authorities.”

[No. F. 1/12/EC/93]

KHIZER AHMED, Executive Director

वाणिज्य मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1999

सा. का. नि. 401 — भारत के राजपत्र के भाग II खण्ड 3(i) में प्रकाशित वाणिज्य मंत्रालय पूर्ति विभाग की दिनांक 24-06-99 की अधिसूचना संख्या ए-12018/7/98-ई एस III के अंग्रेजी रूपांतर में जी एस आर 214 दिनांक 10-07-99 द्वारा अनुच्छेद 1(i) में "संक्षिप्त नाम और प्रारंभ" शीर्षक के अंतर्गत प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाये।

"इन नियमों को राष्ट्रीय परीक्षण शाला, कलकत्ता, उप निदेशक (प्रशासन) भर्ती नियम-1999 कहा जाये।"

[संख्या ए-12018/7/98-ईएस-III]  
मुसाफिर सिंह, उप सचिव

## MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Supply)

New Delhi, the 18th November, 1999

G.S.R. 401.—In the English version of Ministry of Commerce (Department of Supply) Notification No. A-12018/7/98-ES III dated 24-6-99, published in the Part II, Section 3(i) of the Gazette of India vide GSR 214 dated 10-7-99, for the entries in para 1(i) under the heading 'Short title and commencement', the following may be substituted :

"These rules may be called the National Test House, Calcutta, Deputy Director (Administration) Recruitment Rules, 1999."

[No. A-12018/7/98-ES. III]  
MUSAFIR SINGH, Dy. Secy.

विद्युत् मंत्रालय

(केन्द्रीय विद्युत् बोर्ड)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1999

सा. का. नि. 402 :—दिनांक 2 अक्टूबर, 1999 को भारत के राजपत्र के भाग-II, खण्ड-3, उपखण्ड (i) की पृष्ठ संख्याओं 1957, 1958 और 1959 पर प्रकाशित केन्द्रीय विद्युत् बोर्ड, विद्युत् मंत्रालय की अधिसूचना सा. का. नि. 321 दिनांक 16 सितम्बर, 1999 में निम्नलिखित संशोधन किया जाना है :—

1. पृष्ठ संख्या 1957 पर, द्वितीय स्तंभ की पांचवीं पंक्ति में शब्द "प्रकाशित" के स्थान पर "प्रकाशन" पढ़ा जाए;
2. पृष्ठ संख्या 1958 पर, प्रारूप नियम में 2, (ख) के अंतर्गत दूसरे अनुच्छेद की अंतिम पंक्ति में शब्द "जायगा:" के स्थान पर "जायगा।" पढ़ा जाए;
3. पृष्ठ संख्या 1958 पर, प्रारूप नियम में 2, (ग) के अंतर्गत नियम 83 (2) की तीसरी पंक्ति में शब्द "पट्टाघृत" के स्थान पर "पट्टाघृत" पढ़ा जाए;
4. पृष्ठ संख्या 1958 पर, प्रारूप नियम में 2, (ङ) के अंतर्गत ग्यारहवीं पंक्ति के अंत में शब्द "निबंधित" के स्थान पर "निबंधित" पढ़ा जाए;
5. पृष्ठ संख्या 1958 पर, प्रारूप नियम में 2 (च) के अंतर्गत उपखण्ड (ii) (2) की प्रथम पंक्ति में संख्या "12.44" के स्थान पर "2.44" पढ़ी जाए;
6. पृष्ठ संख्या 1959 पर, प्रारूप नियम में 2 (ब) के अंग्रेजी अनुवाद के अंतर्गत दूसरे अनुच्छेद की अंतिम पंक्ति में शब्द "installed:" स्थान के पर "installed." पढ़ा जाए।

[सं० 2/2/96/32/के. वि. बो.]  
जतिन्द्र बीर, सचिव

उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 1999

सा. का. नि. 403.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और कृषि मंत्रालय, खाद्य विभाग ज्येष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन) भर्ती नियम 1982 को उन बातों के सिवाय अधिकांत करते हुये जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, खाद्य और उपभोक्ता मामले मंत्रालय, खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के अधीन ज्येष्ठ विश्लेषक के पद/पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य और उपभोक्ता मामले मंत्रालय खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग ज्येष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन) समूह "ग" भर्ती नियम 1999 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान: उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, और अन्य अर्हताएं: उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयु-सीमा, और अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता: वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू म्बोय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिये जो कारण है उन्हें देखकर इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति:—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिये उपबंध करना अपेक्षित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन-सह-ज्येष्ठता या योग्यता के आधार पर चयन अथवा अचयन	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु सीमा	सेवा में जोड़े गये वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
ज्येष्ठ डिप्लेसक	1* (1999) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपत्रित अनुसूचिकीय	10000- 325- 15200 *	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं				सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं।		
8				9		
लागू नहीं होता				लागू नहीं होता		
				10		
				लागू नहीं होता		



भर्ती की पद्धति भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/आमेजन द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिष्ठापना

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/आमेजन द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/आमेजन किया जायेगा

11

12

प्रतिनियुक्ति (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक सर्विदा भी है)

प्रतिनियुक्ति (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक सर्विदा भी है)

(1) केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी, जिन्होंने हो सकते पर राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र या मान्यताप्राप्त अनुसंधान संस्थान/पब्लिक सेक्टर उद्योग या स्वशासी संगठनों के अधीन ऐसे अधिकारी—

(क) (1) जो नियमित आधार पर सक्षम पद धारण किये हुये हैं, या

(2) जिन्होंने 8000-275-13500 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की की है; या

(3) जिन्होंने 6500-200-10500 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर आठ वर्ष नियमित सेवा की है; और

(ख) जिनके पास निम्नलिखित ग्रहता और अनुभव है ;

(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री,

(2) जिन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान या रक्षा कार्य अध्ययन संस्थान से उच्च प्रबंध सेवा पाठ्यक्रम या किसी अन्य मान्यताप्राप्त संस्थान से समतुल्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। या

जिन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान से बुनियादी प्रबंध सेवा पाठ्यक्रम या किसी अन्य मान्यताप्राप्त संस्थान से समतुल्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और जिनके पास कार्य अध्ययन या संगठन और पद्धतियों/विश्लेषणात्मक/सांख्यिकीय या संश्लेषण अनुसंधान और अन्य प्रबंध अनुसंधान तकनीकों के उपयोग का तीन वर्ष का अनुभव है।

प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काइर बाध्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी। प्रतिनियुक्ति द्वारा (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक सर्विदा भी है) नियुक्ति के लिये अधिकतम आयु-सीमा आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोन्नति सर्मात है, तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा  
आयोग से परामर्श किया जावेगा

13

14

साग नहीं होता

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[फा.सं. ए.-12018/2/97-ई.आई.]

एच.जी. कुकरेजा, अवसर सचिव

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC  
DISTRIBUTION

(Department of Public Distribution)

New Delhi, the 22nd November, 1999

G.S.R. 403.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the constitution and in supersession of the Ministry of Agriculture, Department of Food, Senior Analyst (Work Study), Recruitment Rules, 1982, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Analyst under the Ministry of Consumer Affairs and Public Distribution, Department of Public Distribution, namely :—

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Ministry of Consumer Affairs and Public Distribution Department of Public Distribution, Senior Analyst (Work Study), Group 'C' Recruitment Rules, 1999.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said post, age

limits, qualifications and other matters connected thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the aforesaid schedule.

4. Disqualifications.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempts any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection or non-selection post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6
Senior Analyst	1* (1999)	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 10,000-325-15,200	Not applicable	Not applicable
*S subject to variation dependent on workload.					
Whether benefit of added years of service admissible	Educational and other qualification required for direct recruits		Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	
7	8		9	10	
Not applicable	Not applicable		Not applicable	Not applicable	

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/absorption and percentage of the vacancy to be filled by various methods.

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made

11

12

Deputation (including short term contract)

Deputation (including short term contract)

Officers under the Central Government failing which officers under the State Government/Union territory or recognised Research Institution/Public Sector Undertaking or Autonomous Organisation and

(a)(1) holding analogous post on regular basis; or

(2) with five years regular service in the scale of Rs. 8000-275-13500 or equivalent; or

(3) with eight years regular service in posts in the scale of Rs. 6500-200-10500 or equivalent;

(b) possessing the following qualification and experience

(1) Degree from a recognised University;

(2) have successfully completed the advanced Management service course of the Institute of Secretariat Training and Management or Defence Institute of work study or equivalent training in any other recognised Institution;

or

Have successfully completed the Basic Management Service Course of the Institute of Secretariat Training and Management or equivalent training in any other recognised Institution and have three years experience in the application of Work Study or Organisation and Methods/Analytical/Statistical or Operations Research and other Management Research techniques.

(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/Department of Central Government shall ordinarily not to exceed three years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term contract) shall be not exceeding 56 years as on the closing date of receipt of applications).

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition

Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment

13

14

Not applicable

Consultation with Union Public Service Commission necessary.

[F.No. A-12018/2/97-E.I.]

H.G. KUKREJA, Under Secy.

(उपभोक्ता मामले विभाग)

(Department of Consumer Affairs)

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1999

New Delhi, the 3rd December, 1999

सा. का. नि. 404.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) की धारा 37 की उपधारा (2) के खंड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय मानक ब्यूरो (महानिदेशक की नियुक्ति, सेवा के निबंधन और शर्तें) नियम, 1987 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय मानक ब्यूरो (महानिदेशक की नियुक्ति, सेवा के निबंधन और शर्तें) (द्वितीय संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय मानक ब्यूरो (महानिदेशक की नियुक्ति सेवा के निबंधन और शर्तें) नियम, 1987 के नियम 3 के उपनियम (3) में, "महानिदेशक के पद की रिक्ति होने पर" शब्दों के स्थान पर "महानिदेशक के पद की रिक्ति होने पर या जब रिक्ति होने की संभावना हो" रखा जाएगा।

[फा. सं. 6/10/97-बी आई एस]

ए. एल. मखीजानी, उप सचिव

टिप्पण :—मूल नियम सं. सा. का. नि. 639(अ) तारीख 2 जुलाई, 1987 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् सा. का. नि. 692 (अ) तारीख 8-11-1993, सा. का. नि. 735 (अ) तारीख 10-11-1995, सा. का. नि. 45 तारीख 9 जनवरी, 1999 और सा. का. नि. 342 (अ) तारीख 12 मई, 1999 द्वारा संशोधित किए गए।

G.S.R. 404.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub-section (2) of section 37 of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Bureau of Indian Standards (Appointment, Terms and Conditions of Service of Director-General) Rules, 1987, namely :—

1. (1) These rules may be called the Bureau of Indian Standards (Appointment, Terms and Conditions of Service of Director-General) (Second Amendment) Rules, 1999.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Bureau of Indian Standards (Appointment, Terms and Conditions of Service of Director-General) Rules, 1987, in sub-rule (3) of rule 3, for the words "On the occurrence of a vacancy in the post of Director General", the words "On the occurrence of a vacancy or when a vacancy is likely to arise in the post of Director General", shall be substituted.

[F. No. 6/10/97-BIS]

A. L. MAKHIJANI, Dy. Secy.

Note :—The principal rules were published in the Gazette of India vide number GSR 639(E), dated 2nd July, 1987 and subsequently amended vide GSR 692(E) dated 8-11-1993, GSR 735(E) dated 10-11-1995 GSR 45 dated 9th Jan, 1997 and GSR 342(E) dated 12th May 1999.

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1999

सा.का.नि. 405.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और कृषि मंत्रालय, कृषि और सहकारिता विभाग, अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय सम्पादक (अंग्रेजी) भर्ती नियम, 1993 को उन बातों के सिवाय अधिश्रान्त करते हुये, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, कृषि और सहकारिता विभाग के अधीन अर्थ और सांख्यिकी निदेशालय में सम्पादक (अंग्रेजी) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अर्थ और सांख्यिकी निदेशालय सम्पादक (अंग्रेजी) भर्ती नियम, 1999 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :

उक्त पद की संख्या, उक्त वर्गीकरण और वेतनमान वह होगा जो इन नियमों में उल्लिखित अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं :

उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी, जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता :

वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस निष्पत्ति के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :

जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है। वहां वह उसके लिये जो कारण हैं, उन्हें लेखन करके तथा संघलोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की नावत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. ध्यावृत्ति :

इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिये उपबंध करना अपेक्षित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन-सह-ज्येष्ठता या योग्यता के आधार पर चयन प्रणाली	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गये वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
संपादक (अंग्रेजी)	1* (1999) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपत्रित अननुसूचित	10,000- 325- 15,200 रु.	लागू नहीं होता	40 वर्ष से अधिक न हो (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिये 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है) टिप्पणी : आयु-सीमा अवधारित करने के लिये निर्णायक तारीख	हां

भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिये निम्न की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू व कश्मीर राज्य के लद्दाख खण्ड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले और चम्पा जिले के पांगी उप-खंड, मंदमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिये विहित की गई है। )

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आय और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की बर्षा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो
8	9	10
<p>आवश्यक :</p> <p>(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र या कृषि अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री या समतुल्य।</p> <p>(2) संपादकीय और/या प्रचार कार्य में 5 वर्ष का अनुभव।</p> <p>(3) कृषि अर्थशास्त्र का ज्ञान (उनके लिये जिनके पास अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री है)।</p> <p>टिप्पणी : (1) अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।</p> <p>टिप्पणी : (2) अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं), जब ध्यान के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।</p>	लागू नहीं होता	एक वर्ष
<p>वांछनीय : प्रकाशम कार्य के उत्पादन/मुद्रण पहलुओं में अनुभव।</p>		

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाले पदों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/आमेलन किया जायेगा

11

12

प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

प्रतिनियुक्ति/आमेलन :

केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी :—

- (क) (1) जो नियमित आधार पर सदृश पद धारण किये हुये हो; या
- (2) जिन्होंने 8000-13,500 रुपये के या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है; या
- (3) जिन्होंने 6500-10500 रु. के या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर आठ वर्ष नियमित सेवा की है; और
- (ग) जिनके पास सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये स्तंभ 8 में विहित अर्हताएं और अनुभव है।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काबज वातन पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी। प्रतिनियुक्ति द्वारा नियुक्ति के लिये अधिकतम आयु-सीमा आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख में 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा

13

14

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति :  
(प्रोन्नति/पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिये)

प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श लेना आवश्यक है।

1. अपर सचिव, कृषि और सहकारिता विभाग—अध्यक्ष
2. संयुक्त सचिव, कृषि और सहकारिता विभाग—सदस्य
3. अर्थ एवं सांख्यिकी सहायक—सदस्य

टिप्पण : (सीधे भर्ती किये गये व्यक्ति की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जायेंगी। किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।)

[फा.सं.ए-12018/7/98-ई.ए.]

एम. आर. कपूर, उप सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 13th October, 1999

G.S.R. 405.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Agriculture, Department of Agriculture and Cooperation, Directorate of Economics and Statistics Editor (English) Recruitment Rules, 1993, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Editor (English) in the Directorate of Economics and Statistics under the Department of Agriculture and Cooperation namely:—

1. Short title and Commencement.—(i) These rules may be called the Directorate of Economics and Statistics, Editor (English) Recruitment Rules, 1999.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualification and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) w/o, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of the post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection-cum-seniority or selection by merit
1	2	3	4	5
Editor (English)	1*(1999)	General Central Service, Group 'A', Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 10,000-325-15,200/-	Not applicable
*Subject to variation dependent on workload.				
Age limit for direct recruits.			Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.	
6			7	
Not exceeding 40 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).			Yes.	
Note : The crucial date for determining the age-limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur , Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti district and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).				



Educational and other qualifications required for direct recruits.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.

8

9

Essential :

Not applicable.

- (i) Master's Degree in Economics or Agricultural Economics of a recognised University or equivalent.
- (ii) 5 years experience of editorial and/or publicity work.
- (iii) Knowledge of Agricultural Economics (for those possessing Master's degree in Economics)

Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Schedule Castes and the Scheduled Tribes, if at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable : Experience of production/printing aspects of publication work.

Period of probation, if any	Method of recruitment; whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/absorption and percentage of the posts to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/absorption grades from which promotion/deputation/absorption is made
10	11	12
One year	By deputation/absorption failing which by direct recruitment.	<p>Deputation/Absorption: Officers under the Central Government</p> <p>(a)(i) holding analogous posts on regular basis; or</p> <p>(i.) with 5 years regular service in posts in the scale of Rs. 8,000—13,500/- or equivalent; or</p> <p>(iii) with 8 years regular service in the scale of Rs. 6500—10,500/-; or equivalent; and</p> <p>(b) possessing the educational qualification and experience, prescribed for direct recruitment under column 8.</p> <p>(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed three years. A maximum age limit for appointment on deputation/absorption shall be not exceeding 56 years, as on closing date of receipt of applications).</p>

If Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
13	14
<p>Group A Departmental Promotion Committee (for considering promotion/confirmation)</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Additional Secretary, Department of Agriculture and Cooperation —Chairman</li> <li>2. Joint Secretary, Department of Agriculture and Cooperation—Member</li> <li>3. Economic and Statistical Adviser—Member</li> </ol>	<p>Consultation with Union Public Service Commission necessary on each occasion.</p>
<p><b>Note :</b> The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the Union Public Service Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.</p>	

[F. No. A-12018/7/98-EA]

M.R. KAPUR, Dy. Secy.